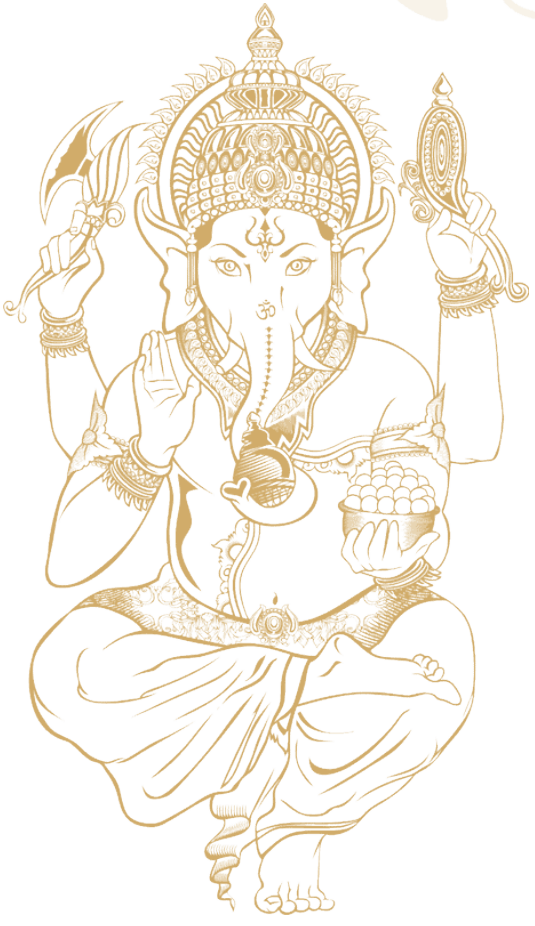

Sh. Vikas Sharma

18 Mar 1990

11:55 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121586302

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
18/03/1990	जन्म तिथि	**18/03/2026**
रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 11:55:00	जन्म समय	17:29:05 घंटे
घटी 13:36:55	जन्म समय(घटी)	27:32:56 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:28:14	सूर्योदय	06:27:54
18:30:52	सूर्यास्त	18:31:01
23:43:25	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:30

मिथुन	लग्न	सिंह
बुध	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
वृश्चिक	राशि	कुम्भ
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
ज्येष्ठा	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
बुध	नक्षत्र स्वामी	गुरु
1	चरण	2
सिद्धि	योग	शुभ
विष्टि	करण	चतुष्पाद
नो-नौनिहाल	जन्म नामाक्षर	सो-सौम्या
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
विप्र	वर्ण	शूद्र
कीटक	वश्य	मानव
मृग	योनि	सिंह
राक्षस	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मेष
36	गत/तत्कालिक वर्ष	37

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
आर्द्रा	1	08:46:02	मिथु			लग्न			सिंह	20:52:00	3	पू०फाल्गुनी
उ०भाद्रपद	1	03:40:15	मीन			सूर्य			मीन	03:40:15	1	उ०भाद्रपद
ज्येष्ठा	1	18:54:30	वृश्चि			चंद्र			कुंभ	26:28:34	2	पू०भाद्रपद
श्रवण	1	11:10:13	मक			मंगल		अ	कुंभ	18:18:02	4	शतभिषा
पू०भाद्रपद	4	02:51:05	मीन		अ	बुध	व		कुंभ	14:32:14	3	शतभिषा
आर्द्रा	1	07:49:58	मिथु			गुरु			मिथु	20:57:00	1	पुनर्वसु
श्रवण	3	17:49:39	मक			शुक्र			मीन	20:44:22	2	रेवती
उत्तराषाढ़ा	1	29:49:01	धनु			शनि		अ	मीन	09:38:20	2	उ०भाद्रपद
श्रवण	4	21:48:42	मक	व		राहु	व		कुंभ	14:45:12	3	शतभिषा
आश्लेषा	2	21:48:42	कर्क	व		केतु	व		सिंह	14:45:12	1	पू०फाल्गुनी
पूर्वाषाढ़ा	1	15:33:42	धनु			मु			मिथु	08:46:02	1	आर्द्रा

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

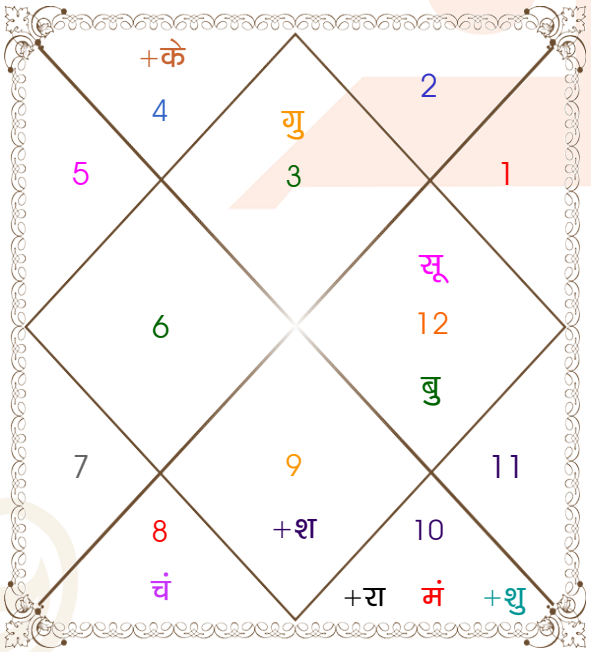

वर्ष लग्न कुंडली

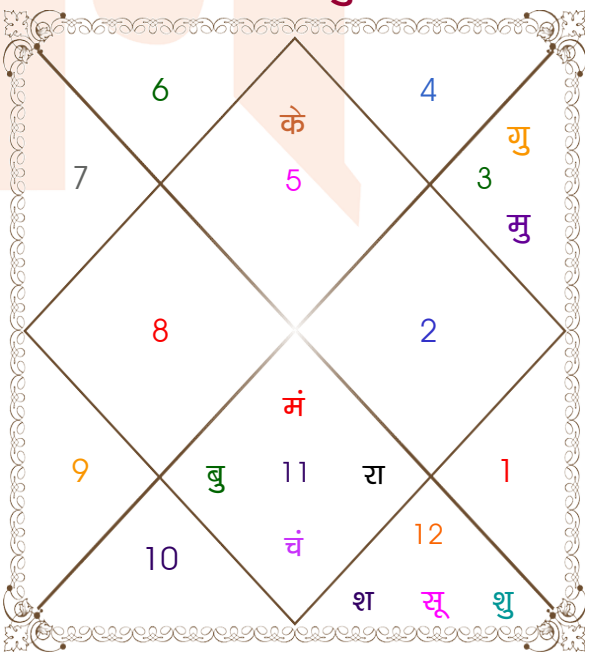

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - शनि - चंद्र	
02/01/2026 23:13	
09/04/2026 08:28	
चंद्र	10/01/2026 23:59
मंगल	16/01/2026 14:55
राहु	31/01/2026 01:54
गुरु	12/02/2026 22:20
शनि	28/02/2026 04:36
बुध	13/03/2026 20:19
केतु	19/03/2026 11:15
शुक्र	04/04/2026 12:48
सूर्य	09/04/2026 08:28

शुक्र - शनि - मंगल	
09/04/2026 08:28	
15/06/2026 19:44	
मंगल	13/04/2026 06:55
राहु	23/04/2026 09:49
गुरु	02/05/2026 09:43
शनि	13/05/2026 02:06
बुध	22/05/2026 15:30
केतु	26/05/2026 13:57
शुक्र	06/06/2026 19:50
सूर्य	10/06/2026 04:48
चंद्र	15/06/2026 19:44

शुक्र - शनि - राहु	
15/06/2026 19:44	
06/12/2026 07:35	
राहु	11/07/2026 20:19
गुरु	03/08/2026 23:30
शनि	31/08/2026 10:46
बुध	25/09/2026 00:39
केतु	05/10/2026 03:32
शुक्र	03/11/2026 01:31
सूर्य	11/11/2026 17:42
चंद्र	26/11/2026 04:42
मंगल	06/12/2026 07:35

शुक्र - शनि - गुरु	
06/12/2026 07:35	
09/05/2027 12:47	
गुरु	26/12/2026 21:05
शनि	20/01/2027 07:06
बुध	11/02/2027 03:26
केतु	20/02/2027 03:20
शुक्र	17/03/2027 20:12
सूर्य	25/03/2027 13:16
चंद्र	07/04/2027 09:42
मंगल	16/04/2027 09:36
राहु	09/05/2027 12:47

शुक्र - बुध - बुध	
09/05/2027 12:47	
03/10/2027 03:22	
बुध	30/05/2027 07:15
केतु	07/06/2027 20:30
शुक्र	02/07/2027 06:56
सूर्य	09/07/2027 14:51
चंद्र	21/07/2027 20:04
मंगल	30/07/2027 09:19
राहु	21/08/2027 09:07
गुरु	09/09/2027 22:15
शनि	03/10/2027 03:22

शुक्र - बुध - केतु	
03/10/2027 03:22	
02/12/2027 12:11	
केतु	06/10/2027 15:52
शुक्र	16/10/2027 17:21
सूर्य	19/10/2027 17:47
चंद्र	24/10/2027 18:31
मंगल	28/10/2027 07:02
राहु	06/11/2027 08:22
गुरु	14/11/2027 09:32
शनि	23/11/2027 22:56
बुध	02/12/2027 12:11

शुक्र - बुध - शुक्र	
02/12/2027 12:11	
22/05/2028 23:41	
शुक्र	31/12/2027 06:06
सूर्य	08/01/2028 21:05
चंद्र	23/01/2028 06:02
मंगल	02/02/2028 07:30
राहु	28/02/2028 04:26
गुरु	22/03/2028 04:22
शनि	18/04/2028 11:47
बुध	12/05/2028 22:13
केतु	22/05/2028 23:41

शुक्र - बुध - सूर्य	
22/05/2028 23:41	
13/07/2028 17:32	
सूर्य	25/05/2028 13:47
चंद्र	29/05/2028 21:16
मंगल	01/06/2028 21:42
राहु	09/06/2028 15:59
गुरु	16/06/2028 13:34
शनि	24/06/2028 18:11
बुध	02/07/2028 02:07
केतु	05/07/2028 02:34
शुक्र	13/07/2028 17:32

शुक्र - बुध - चंद्र	
13/07/2028 17:32	
07/10/2028 23:17	
चंद्र	20/07/2028 22:01
मंगल	25/07/2028 22:45
राहु	07/08/2028 21:13
गुरु	19/08/2028 09:11
शनि	02/09/2028 00:53
बुध	14/09/2028 06:06
केतु	19/09/2028 06:50
शुक्र	03/10/2028 15:48
सूर्य	07/10/2028 23:17

शुक्र - बुध - मंगल	
07/10/2028 23:17	
07/12/2028 08:07	
मंगल	11/10/2028 11:48
राहु	20/10/2028 13:07
गुरु	28/10/2028 14:18
शनि	07/11/2028 03:42
बुध	15/11/2028 16:57
केतु	19/11/2028 05:28
शुक्र	29/11/2028 06:56
सूर्य	02/12/2028 07:22
चंद्र	07/12/2028 08:07

शुक्र - बुध - राहु	
07/12/2028 08:07	
11/05/2029 13:40	
राहु	30/12/2028 14:57
गुरु	20/01/2029 07:41
शनि	13/02/2029 21:34
बुध	07/03/2029 21:21
केतु	16/03/2029 22:40
शुक्र	11/04/2029 19:36
सूर्य	19/04/2029 13:52
चंद्र	02/05/2029 12:20
मंगल	11/05/2029 13:40

शुक्र - बुध - गुरु	
11/05/2029 13:40	
26/09/2029 13:16	
गुरु	29/05/2029 23:12
शनि	20/06/2029 19:33
बुध	10/07/2029 08:41
केतु	18/07/2029 09:52
शुक्र	10/08/2029 09:48
सूर्य	17/08/2029 07:23
चंद्र	28/08/2029 19:21
मंगल	05/09/2029 20:31
राहु	26/09/2029 13:16

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मन में भी शान्ति एवं सन्तुष्टि विद्य मान रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा विगत रूके हुए कार्य सफल होंगे। साथ ही समस्त आशाएं एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे तथा कोई भाग्योदय संबधी महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा । भौतिक सुख संसाधनों को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस समय आपके महिला मित्रों की संख्या में भी वृद्धि होगी तथा संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी एवं उनसे आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको वांछित द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा तथा उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपसे वे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी साथ ही मित्र वर्ग से भी लाभार्जन होगा ।इस वर्ष अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी विशिष्ट परीक्षा आदि में उतीर्ण होंगे तथा संबधियों एवं मित्र वर्ग के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी एवं वे सभी लोग आपको पूर्ण स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। राजनीति के क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। अतः इस समय आपको इस क्षेत्र में सक्रिय रहकर समय का सदुपयोग करना चाहिए। इससे आपके भविष्य में काफी उन्नति तथा परिवर्तन आ सकते हैं। अतः यत्नशील रहें।